

पूजागुप्तार १६... २०१५... २५


२१०३  
२५

पत्रवली पेश। वकील वादी या वादी स्वयं  
उपरिस्थल नही ५ बार-बार आपाज लगाते  
घर भी कोई उपरिस्थल नही आये। इला  
वादी का यह वाक पत्र अदम फेरकी-अदम



दाजिरी में इसी स्तर पर आविज किया  
जाया है। पत्रावली का वही तरीका रकमील  
होका दाखिल इफ्तार है।

निर्णय लिखाया जाकर शुरू के न्यायलय  
में सुनाया गया।

  
(मनोज कुमार शीवा)  
R.A.S.